

# कलाकारों एवं विशेषज्ञों की कला नियामक प्राधिकरण बनाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) । कला दीर्घाओं, कलाकारों और कला उद्योग के अन्य प्रतिनिधियों ने नकली कलाकृतियों पर लगाम लगाने के लिए राष्ट्रीय कला नियामक प्राधिकरण बनाने की मांग की है। दिल्ली आर्ट गैलरी के निदेशक आशीष आनंद ने एक बयान में कहा कि बाजार में कला बिगदरी से जुड़े लोगों द्वारा कथित रूप से नकली कलाकृतियों का अवैध व्यापार चिंता का विषय है और ऐसे में कला उद्योग के नियमन के लिए कला नियामक बनाने की सख्त आवश्यकता है। बेंगलूर स्थित नीलामी कंपनी बिड एंड हैमर द्वारा 8वीं शताब्दी से 20वीं शताब्दी की कुल 86 कलाकृतियों की नीलामी पर उठे विवाद के बीच यह बयान आया है। बिड एंड हैमर की ओर से नीलाम की जाने वाली

कलाकृतियों में बंगाल आर्ट स्कूल की अनेक कलाकृतियां शामिल हैं जिनमें नंद लाल बोस, एम एफ हुसैन, हेमेंद्र नाथ मजूमदार, जिम्मी राय, एस एस राजा, एफ एन सूजा और तैयब मेहता आदि की कलाकृतियां शामिल हैं। कलाकृतियों की यह बिक्री दाधा समूह के 100 साल पूरे होने के मौके पर की गई थी। बिड एंड हैमर, दाधा समूह की इकाई है। कला विश्लेषकों ने कहा कि उद्योग में सेबी, प्रतिस्पर्धा आयोग, प्रेस परिषद जैसी नियामक संस्थानों की कमी है जो न्यायोचित और निष्पक्ष ढांचे के दायरे में उपभोक्ताओं के हित में कारोबारी तरीकों की निगरानी करती है। कुछ कला विश्लेषकों का आरोप है कि इस नीलामी में शामिल कुछ कलाकृतियां नकली थीं।